السنّة النبوية وعلومها
www.sunnah.global

मैंने अपने नेक बंदों के लिए वह चीज़ें तैयार कर रखी हैं , जिन्हें न किसी आँख ने देखा है , न किसी कान ने सुना है और न किसी इनसान के दिल में उनका ख़याल आया है। यदि तुम चाहो , तो यह आयत पढ़ लोः {فلا تَعلم نفس ما أُخْفِي لهم من قُرَّة أَعْيُنِ جَزَاء بما كانوا يعملون} (कोई प्राणी नहीं जानता कि हमने उनके लिए क्या आँखों की ठंडक छुपा रखी है , उनके उन कर्मों के बदले में , जो वे किया करते थे)

अबू हुरैरा (रज़ियल्लाहु अनहु) कहते हैं कि अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमाया कि अल्लाह तआला ने कहा है : मैंने अपने नेक बंदों के लिए वह चीज़ें तैयार कर रखी हैं , जिन्हें न किसी आँख ने देखा है , न किसी कान ने सुना है और न किसी इनसान के दिल में उनका ख़याल आया है। यदि तुम चाहो , तो यह आयत पढ़ लोः {فلا تَعلم نفس ما أَخْفِي لهم من قُرَّة أَعْيُنِ جَزَاء بما كانوا يعملون} (कोई प्राणी नहीं जानता कि हमने उनके लिए क्या आँखों की ठंडक छुपा रखी है , उनके उन कर्मों के बदले में , जो वे किया करते थे)। सह्ल बिन साद (रज़यल्लाहु अनहु) कहते हैं कि मैं अल्लाह के नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की एक सभा में उपस्थित था , जिसमें आपने अंत तक जन्नत का वर्णन किया। फिर अंत में फ़रमाया : उसके अंदर ऐसी चीज़ें हैं , जिन्हें न किसी आँख ने देखा है , न किसी कान ने सुना है और न किसी इनसान के दिल में उनका ख़याल आया है। फिर आपने यह आयतें पढ़ीं {تَتَجَافَىٰ جُنُوبُهُمْ عَنِ الْمَضَاجِعِ يَدْعُونَ رَبَّهُمْ خَوْفًا وَطَمَعًا وَمِمَّا رَزَقْنَاهُمْ يُنفِقُونَ ، فَلَا تَعْلَمُ نَفْسٌ مَّا أُخْفِيَ لَهُم مِّن قُرَّةِ أَعْيُنٍ جَزَاءً بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ} (उनके पहलू बिस्तरों से अलग रहते हैं। वे अपने पालनहार से भय खाते हुए तथा आशा रखते हुए प्रार्थना करते रहते हैं तथा हमने जो कुछ उन्हें प्रदान किया है , उसमें से दान करते रहते हैं। अतः , कोई प्राणी नहीं जानता कि हमने उनके लिए क्या आँखों की ठंडक छुपा रखी है , उनके उन कर्मों के बदले में , जो वे किया करते थे)। [सूरा अस - सजदाः 16-17]

[सहीह़] [इसे मुस्लिम ने रिवायत किया है। - इसे बुख़ारी एवं मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

https://sunnah.global/hadeeth/hi/show/10404

النجاة الخيرية
ALNAJAT CHARITY
لجنة الدعوة الإلكترونية
EDC E-Da'wah Committee